Date 13/7/20
Page

Sanskrit Honours | Kanak Lalkar
Part - I
paper - I

पूर्वमेघ

① तस्य स्थित्वा ..... किम्पुनर्दूरसंस्थे ॥3॥

अर्थ - यक्ष भीतर ही भीतर आँसुओं को रोके हुए, कामोत्कण्ठा उत्पन्न करने वाले (उस) मेघ के सामने किसी तरह खड़े होकर देर तक सोचता रहा। मेघ के छा जाने पर सुखी व्यक्ति का चित्त भी और तरह का हो जाता है फिर गले मिलने की इच्छा करने वाले व्यक्ति के दूर रहने पर (उनकी दशा) का क्या कहना?

② - प्रत्यासन्ने ..... व्याजहार ॥4॥

अर्थ - सावन महीने के समीप आने पर प्रिया के प्राणों को सहारा देने की इच्छा से उस ~~मेघ~~ ने यक्ष ने मेघ के द्वारा अपना कुशल-संदेश भेजना चाहा। अतएव ताजे कुटज के फूलों से अर्घ सामग्री तैयार कर उस मेघ का, प्रसन्नता के साथ प्रेम भरे शब्दों में स्वागत किया।